



Lalit Singh



Nile

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121440701

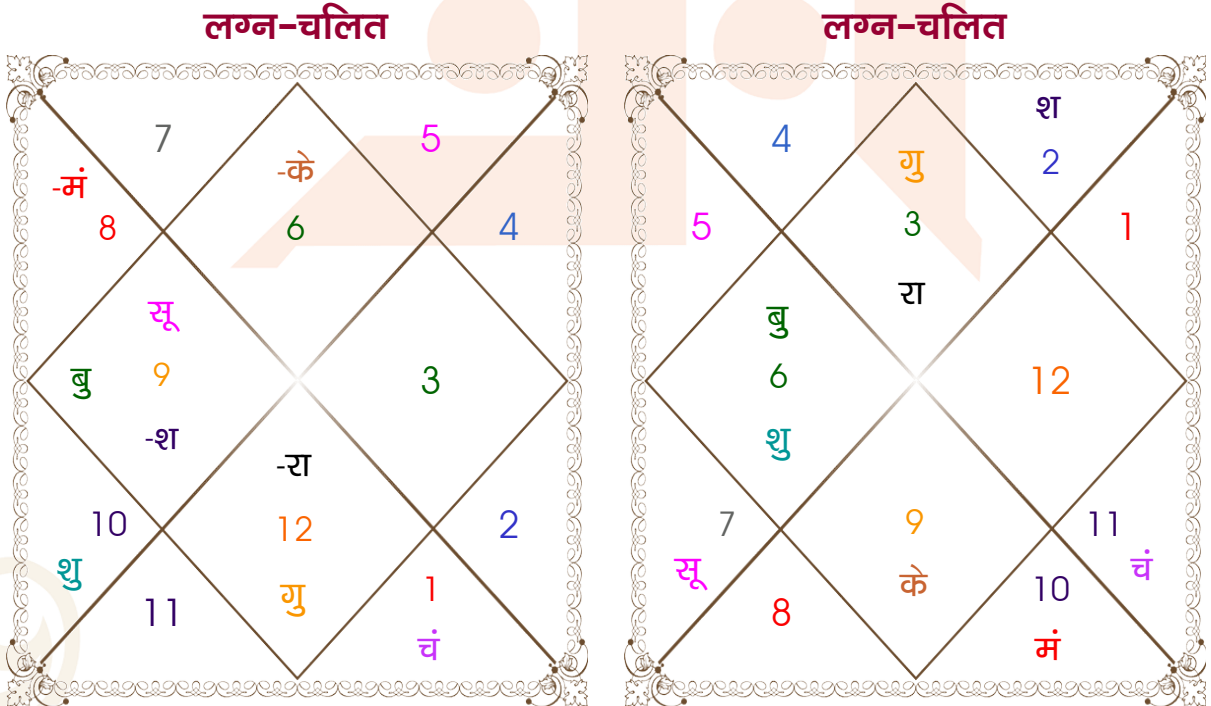
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
30-31/12/1987 :	जन्म तिथि	: 27/10/2001
बुध-गुरुवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 01:05:00 :	जन्म समय	: 22:17:00 घंटे
घटी 44:25:17 :	जन्म समय(घटी)	: 39:08:35 घटी
India :	देश	: India
Ajmer :	स्थान	: Ajmer
26:29:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:29:00 उत्तर
74:40:00 पूर्व :	रेखांश	: 74:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:20 :	स्थानिक संस्कार	: -00:31:20 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:18:53 :	सूर्योदय	: 06:37:33
17:49:04 :	सूर्यास्त	: 17:52:43
23:41:23 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:52:39
कन्या :	लग्न	: मिथुन
बुध :	लग्न लग्नाधिपति	: बुध
मेष :	राशि	: कुम्भ
मंगल :	राशि-स्वामी	: शनि
भरणी :	नक्षत्र	: शतभिषा
शुक्र :	नक्षत्र स्वामी	: राहु
4 :	चरण	: 4
साध्य :	योग	: ध्रुव
विष्टि :	करण	: विष्टि
लो-लोकेश :	जन्म नामाक्षर	: सू-सुगन्धा
मकर :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक
क्षत्रिय :	वर्ण	: शूद्र
चतुष्पाद :	वश्य	: मानव
गज :	योनि	: अश्व
मनुष्य :	गण	: राक्षस
मध्य :	नाड़ी	: आद्य
मृग :	वर्ग	: मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 0वर्ष 6मा 24दि	21:37:45	कन्या	लग्न	मिथु	19:33:17	राहु 0वर्ष 9मा 19दि
राहु	14:52:45	धनु	सूर्य	तुला	10:27:25	शनि
25/07/2011	26:17:21	मेष	चंद्र	कुंभ	19:24:20	17/08/2018
25/07/2029	00:27:02	वृश्चि	मंगल	मक	06:06:26	16/08/2037
राहु 06/04/2014	19:14:27	धनु	बुध	कन्या	22:13:10	शनि 19/08/2021
गुरु 30/08/2016	26:28:50	मीन	गुरु	मिथु	21:45:21	बुध 28/04/2024
शनि 07/07/2019	16:51:41	मक	शुक्र	कन्या	21:18:18	केतु 07/06/2025
बुध 23/01/2022	01:38:16	धनु	शनि व	वृष	20:15:22	शुक्र 07/08/2028
केतु 11/02/2023	03:12:06	मीन व	राहु व	मिथु	04:57:34	सूर्य 20/07/2029
शुक्र 11/02/2026	03:12:06	कन्या व	केतु व	धनु	04:57:34	चन्द्र 18/02/2031
सूर्य 05/01/2027	03:54:09	धनु	हर्ष व	मक	27:02:12	मंगल 29/03/2032
चन्द्र 06/07/2028	14:03:05	धनु	नेप	मक	12:08:28	राहु 03/02/2035
मंगल 25/07/2029	18:16:42	तुला	प्लूटो	वृश्चि	19:45:48	गुरु 16/08/2037

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

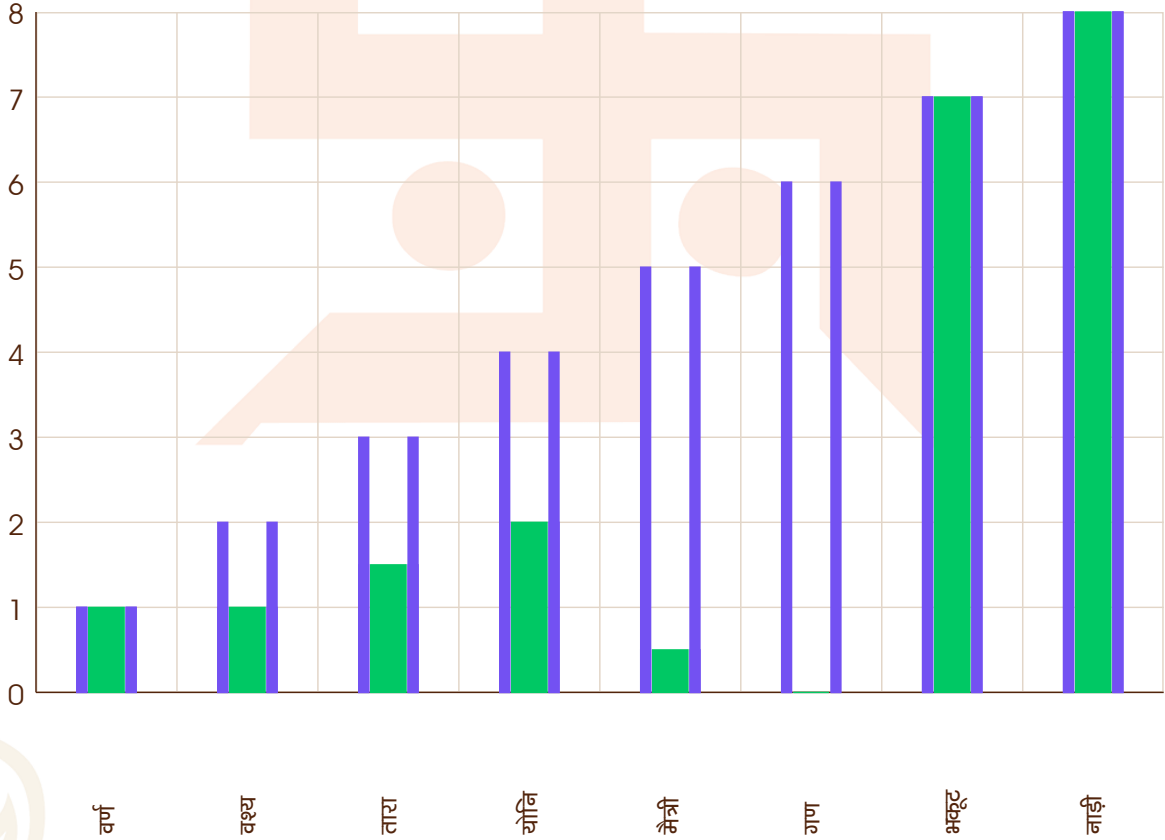
23:41:23 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:39



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मेष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

कुल : 21 / 36



अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Lalit Singh का वर्ग मृग है तथा Nile का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Lalit Singh और Nile का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Lalit Singh मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Nile मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Nile की कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुण्डली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुण्डली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Lalit Singh की कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Lalit Singh तथा Nile में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Lalit Singh का वर्ण क्षत्रिय तथा Nile का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाव से Nile वैश्विक मां की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा सभी की देखभाल तथा सेवा बिना थके, बिना शिकायत किये करती रहेगी। साथ ही परिवार के किसी भी सदस्य अथवा Lalit Singh से कभी तर्क-वितर्क नहीं करेगी। अपने इसी आतिथ्य भाव के कारण सभी की प्रशंसा का पात्र बनेगी।

वश्य

Lalit Singh का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है एवं Nile का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार Lalit Singh एवं Nile एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Nile क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

Lalit Singh की तारा साधक तथा Nile की तारा प्रत्यरि है। Nile की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Lalit Singh एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Nile का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य में अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Nile के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Lalit Singh अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Lalit Singh की योनि गज है तथा Nile की योनि अश्व है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Lalit Singh का राशि स्वामी Nile के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Nile का राशि स्वामी Lalit Singh के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Lalit Singh का गण मनुष्य तथा Nile का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Nile का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Lalit Singh एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Lalit Singh से Nile की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा Nile से Lalit Singh की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Lalit Singh परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर Nile हर गुण से

परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

Lalit Singh की नाड़ी मध्य है तथा Nile की नाड़ी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।



मेलापक फलित

स्वभाव

Lalit Singh की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त मेष राशि है जबकि Nile की वायु तत्व युक्त कुम्भ राशि है। अग्नि एवं वायुतत्व में मित्रता के कारण इनके परस्पर संबंधों में मित्रता का आभास रहेगा। साथ ही Nile Lalit Singh की शारीरिक आकर्षण की अपेक्षा बुद्धिमता के भाव पर विशेष केंद्रित रहेंगी तथापि यदि Lalit Singh Nile को यथोचित सहयोग प्रदान करें तो जीवन में मधुरता के भावों में वृद्धि हो सकती है।

Lalit Singh का राशि स्वामी मंगल Nile की राशि स्वामी शनि का शत्रु तथा Nile का राशि स्वामी शनि मंगल का सम है। अतः परस्पर सुख शांति एवं सदभाव के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं है। ऐसे योग में समस्याओं दोनों तरफ से उत्पन्न होगी। इससे परस्पर ईर्ष्या का भाव विद्यमान रहेगा जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता की न्यूनता रहेगी। यदि परस्पर ईर्ष्या के भाव का त्याग किया जाय तो संबंधों में स्नेह के भाव की वृद्धि हो सकती है।

Lalit Singh और Nile की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती है। यह शास्त्रानुसार शुभ भकूट है। अतः इसके प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी एवं परस्पर संबंधों में ईमानदारी स्नेह एवं आत्मसमर्पण का भाव सदैव विद्यमान रहेगा। साथ ही परस्पर मतभेदों को आप आपस में स्पष्ट चर्चा के द्वारा सुलझाने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की सुख शान्ति में वृद्धि होगी।

Lalit Singh का वश्य चतुष्पद तथा Nile का वश्य मानव है। इनमें नैसर्गिक शत्रुता का भाव होने के कारण इनकी अभिरुचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर एक दूसरे को सन्तुष्ट करने में यत्न से ही सफलता मिलेगी।

Lalit Singh का वर्ण क्षत्रिय तथा Nile का वर्ण शूद्र है। अतः Lalit Singh कार्य क्षेत्र में प्रभावी पराक्रमी तथा परिश्रमी होंगे तथा Nile में कर्तव्य परायणता का भाव विद्यमान रहेगा चाहे वह किसी भी प्रकार का कार्य हो।

धन

Lalit Singh और Nile की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। Lalit Singh एवं Nile की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Lalit Singh और Nile की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथा मंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

Lalit Singh को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती

है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार Lalit Singh और Nile धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

Lalit Singh की नाड़ी मध्य तथा Nile की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका कोई दुष्प्रभाव इन पर नहीं पड़ेगा परन्तु मंगल की स्थिति प्रतिकूल रहेगी जिसके प्रभाव से Lalit Singh रक्त तथा पित विकार से परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही हृदय रोग संबंधी परेशानी भी होगी एवं रतिक्रिया संबंधी निष्क्रियता के भाव की भी उत्पत्ति की संभावना रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति की संभावना उत्पन्न होगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए Lalit Singh को हनुमान जी की नियमित पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार का उपवास करना चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Lalit Singh और Nile का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Lalit Singh और Nile के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Nile के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Nile को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Nile को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Lalit Singh और Nile सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Lalit Singh और Nile का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Nile के अपनी ससुराल के लोगों से संबंधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Nile धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति

प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Nile के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Nile का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Nile से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Lalit Singh तथा उनकी सास के आपसी संबंधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबंधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Lalit Singh के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Lalit Singh को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Lalit Singh के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Lalit Singh के प्रति अनुकूल ही रहेगा।